



## झारखंड की पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

### चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, [राष्ट्रीय क्षय रोग उनमूलन कार्यक्रम \(National Tuberculosis Elimination Programme- NTEP\)](#) के तहत झारखंड की कुल **38 पंचायतों** को **क्षय रोग (टीबी)** मुक्त घोषित किया गया है।

### मुख्य बंदि:

यह जानकारी झारखंड राज्य क्षय रोग प्रकोष्ठ और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिये शिक्षा एवं कालत संसाधन समूह (**Resource Group for Education and Advocacy for Community Health**) द्वारा घोषित की गई।

झारखंड में राष्ट्रीय क्षय रोग उनमूलन कार्यक्रम (NTEP) का लक्ष्य [प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान](#) और [वयस्क बीसीजी टीकाकरण कार्यक्रम](#) सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से वर्ष 2025 तक क्षय रोग (टीबी) का उनमूलन करना है।

### क्षय रोग

- **परचिय**
  - क्षय रोग (टीबी) एक संक्रामक रोग है जो **माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस** के कारण होता है।
  - यह **आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है**, लेकिन शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता है।
  - यह एक **ऐसी बीमारी है जिसका इलाज संभव है**।
- **संचरण**
  - टीबी एक **व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में वायु के माध्यम से संचरित होती है**। जब फेफड़ों की टीबी से पीड़ित व्यक्ति खाँसता, छींकता अथवा थूकता है, तो वे टीबी के कीटाणुओं को वायु में संचरित कर देते हैं।
- **लक्षण**
  - सक्रिय फेफड़े के टीबी के सामान्य लक्षण हैं- खाँसी के साथ बलगम और कभी-कभी खून आना, सीने में दर्द, कमज़ोरी, वज़न कम होना, बुखार तथा रात में पसीना आना।
- **टीका**
  - **बैसिल कैलमेट-गुएरनि (Bacille Calmette-Guérin- BCG)** टीबी रोग के लिये एक टीका है।

### प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

- **परचिय:**
  - यह वर्ष **2025 तक टीबी उनमूलन** की दशा में देश की प्रगति में तेज़ी लाने के लिये **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health and Family Welfare- MoHFW)** की एक पहल है।
- **उद्देश्य:**
  - टीबी रोगियों के उपचार परणामों को बेहतर बनाने के लिये अतिरिक्त रोगी सहायता प्रदान करना।
  - वर्ष 2025 तक टीबी को समाप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना।
  - [कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व \(Corporate Social Responsibility- CSR\)](#) गतिविधियों का लाभ उठाना।

